

Риёзус солиҳийн / Риёзус солиҳийн / 439-ҳадис

439 - ፳፻፲፭ የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል
የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል » : የፌዴራል
የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል
የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል
የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል ».

«**Изменение вида** **помощи** **внешней** **экономики** **СССР** **в** **СССР** **и** **за** **рубежом**» : **Изменение** **вида** **помощи** **внешней** **экономики** **СССР** **в** **СССР** **и** **за** **рубежом**. **Материалы** **научно-практической** **конференции**, **открытой** **в** **Москве** **1980** **года**. **Москва**, **1980**.

1. Анас розияллоху анҳудан ривоят қилинади:

Расулұллоқ соллаллоху алайхи васаллам:

«**Коғир бир яхшилик қылса, бу дунёning ўзида ризқлантирилади. Аммо мўмин киши яхшилик қылса, Аллоҳ унинг яхшиликларини ўзи учун Киёматга саклаб қўйиб, қилган тоати учун дунёда ҳам ризқ беради**», дедилар.

Имом Муслим ривояти.

Яна бошқа бир ривоятда:

«Аллоҳ мўминнинг биронта яхшилигига зулм қилмайди. (Мўминга) унинг сабабидан бу дунёда ато, охиратда эса мукофот берилади. Коғир эса Аллоҳни рози қиласиган яхши амаллари учун бу дунёning ўзида ризқлантирилди, лекин охиратга борганда унинг мукофот бериладиган бирорта яхшилиги бўлмайди», дейилган.

Манба: hadis.islom.uz



